प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में 21–दिवसीय उच्च संकाय प्रशिक्षण प्रारम्भ

पन्तनगर। 30 जनवरी 2025। विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग में 'पौधों के टिकाऊ स्वास्थ्य हेतु सुरक्षित पद्धतियाँ' नामक शीर्षक पर 21–दिवसीय उच्च संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. के.पी. सिंह, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पादप रोग विज्ञान विभाग में पूर्व में वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध एवं प्रसार कार्यों से अवगत कराया तथा कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही बीमारियों की समस्याएं आज कृषि वैज्ञानिकों के लिए प्रमुख चुनौति हैं। आवश्यकता है इन बिमारियों हेतु एक सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल प्रबन्धन कार्यक्रम के विकास की। विशिष्ट अतिथि डा. जे. कुमार पूर्व कुलपति पंतनगर विश्वविद्यालय ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय ने देश की खाद्यन्न सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब आवश्यकता है खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाया जाना जिससे फसलों में रोगों द्वारा होने वाले नुकसान पर उचित नियंत्रण कर बढ़ाया जा सकता है। फसलों में रोगों के नियंत्रण हेतु अत्यधिक जहरीले रासायनों का प्रयोग किया जाता है जिससे न केवल हमारे भोजन की गुणवत्ता खराब होती है बल्कि पर्यावरण पर भी इन जहरीले रासायनों को प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आवश्यकता है पादप रोगों के प्रबन्धन हेतु मनुष्य के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के अनुकूल रसायनों का प्रयोग किया जाये। कार्यक्रम में निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता अत्यधिक है क्योंकि फसलों में बीमारियों से 25–30 प्रतिशत नुकसान हो जाता है जिनका नियंत्रण जैव सघन पद्धतियों को अपनाकर किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ होने जा रही है। अतः भोजन हेतु हमें और खाद्यान्न की आवश्यकता होगी। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण गोण बिमारियां प्रमुख बिमारियों में परिवर्तित होती जा रही हैं कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. एम.एस. पाल, कार्यवाहक अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ने की। उन्होंने धान की खैरा बीमारी के बारे में बताते हुए पादप रोग विभाग के एतिहासिक महत्व को बताया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से एकीकृत रूप से विभिन्न परियोजनाओं में कार्य करने हेतु विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में डा. कृष्ण प्रताप सिंह, निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा पादप रोग विज्ञान विभाग में शोध, प्रसार एवं शिक्षा में वर्तमान में चल रही गतिविधियों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक डा. एस.के. मिश्रा, प्राध्यापक द्वारा सभी का स्वागत भाषण दिया गया। धन्यवाद प्रस्ताव डा. रश्मि तिवारी, सहायक प्राध्यापक द्वारा ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों सहित देश के आठ राज्यों से आयें प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।

21–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंचासीन अधिकारीगण।

निदेशक संचार